

प्रेस विज्ञप्ति

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मेरठ के कृषि महाविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग द्वारा कृषि अनुसंधान में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन 7 दिसंबर 2024 को किया गया। कार्यशाला का भुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, डॉ. के.के. सिंह जी एवं गणमान्य अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन व माँ सरस्वती पर माल्यार्पण एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना कर किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विद्यालय के माननीय कुलपति, डॉ. के.के. सिंह जी ने की। अपने संबोधन में, डॉ. सिंह ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से उच्च गुणवत्ता के भाोध करने हेतु प्रेरित किया। जिससे कि भाोध से पेटेन्ट, तकनीकी व अच्छे भाोध पत्र प्रकाशित किए जाए। साथ ही समकालीन अनुसंधान को समाज और उद्योग के लाभ के लिए संरक्षित और उपयोगी बनाया जाए। इस कार्यशाला में कृषि अनुसंधान में बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों क्रमशः प्रो. एच.एस. चावला, प्रो. प्रताप सिंह पवार, डॉ. शिव दत्त, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. दिनेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने व्याख्यान दिए। डा० विवेक, अधिष्ठाता, कृषि द्वारा कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं प्रतिभागियों स्वागत किया। प्रो. एल.के. गंगवार, आयोजन सचिव द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार का परिचय, कार्यशाला की रूपरेखा एवं इसके महत्व के बारे में विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला में कुल 205 संकाय सदस्यों और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे ज्ञान साझा करने और विचार-विमर्श के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान हुआ। उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूपी-सीएसटी), लखनऊ द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला ने अनुसंधान परिणामों को औद्योगिक स्तर पर सुरक्षित और उपयोगी बनाने में बौद्धिक संपदा अधिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया।

कार्यशाला के दौरान, डॉ. रामजी सिंह, कुलसचिव, डा० कमल खिलाड़ी, निदेशक भाोध, डा० पी०के० सिंह, निदेशक प्रसार, डा० बी०आर० सिंह, अधिष्ठाता, तकनीकी महाविद्यालय, डा० आर० कुमार, अधिष्ठाता, जैव प्रौद्योगिकी, डा० पंकज कुमार, ओ०एस०डी०, भुगकरकेन, डा० एल०बी० सिंह, विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार, डा० पूरन चन्द, डा० एस०के० सिंह, डा० मुकेश कुमार, डा० अतर सिंह, डा० एस०के० लोधी, डा० पी०के० सिंह, डा० आर०एन० यादव, डा० सतेन्द्र कुमार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और इसके सफल आयोजन में योगदान दिया। मंच संचालन डा० प्रमिला उमराव, सहायक प्राध्यापक, पंजाब चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा किया गया।

डॉ. रामजी सिंह, कुलसचिव ने सभी अतिथियों धन्यवाद ज्ञापित किया।

(डा० एल० के० गंगवार)



